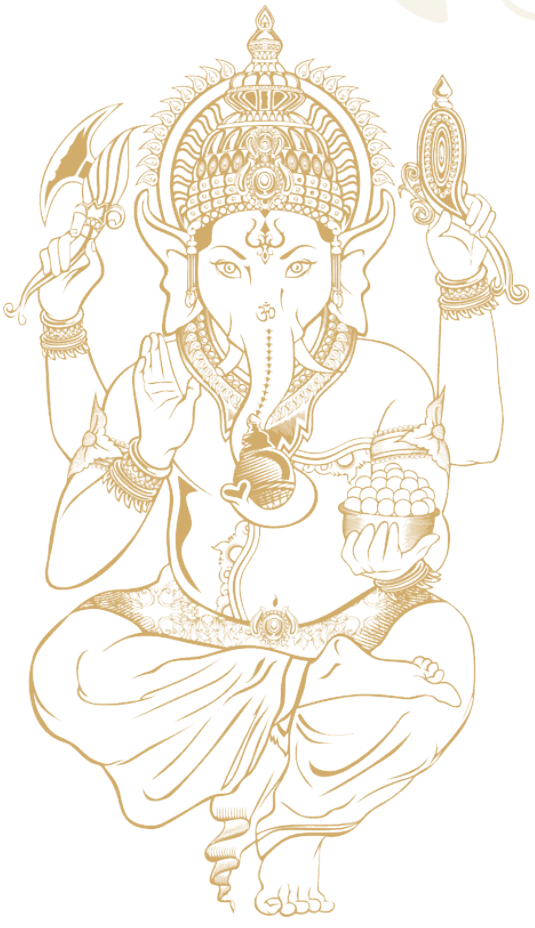

Sumit

F

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120947002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/01/1994	जन्म तिथि	22-23/06/1999
शुक्रवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 18:35:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 27:53:35	जन्म समय(घटी)	50:15:19 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Nawashahr
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:25:33	सूर्योदय	05:22:19
17:44:52	सूर्यास्त	19:32:10
23:46:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 2वर्ष 8मा 18दि	11:36:13	कर्क	लग्न	मेष	00:22:50	मंगल 3वर्ष 2मा 24दि
गुरु	00:21:53	मक	सूर्य	मिथु	07:06:54	गुरु
04/10/2014	01:29:23	कुंभ	चंद्र	तुला	00:30:18	16/09/2020
04/10/2030	25:40:22	धनु	मंगल	तुला	02:43:42	16/09/2036
गुरु 21/11/2016	07:06:36	मक	बुध	कर्क	01:40:38	गुरु 04/11/2022
शनि 04/06/2019	17:52:56	तुला	गुरु	मेष	05:14:23	शनि 17/05/2025
बुध 09/09/2021	29:45:27	धनु	शुक्र	कर्क	21:57:24	बुध 23/08/2027
केतु 16/08/2022	04:36:07	कुंभ	शनि	मेष	19:35:27	केतु 29/07/2028
शुक्र 16/04/2025	07:50:52	वृश्चि व	राहु व	कर्क	20:04:41	शुक्र 30/03/2031
सूर्य 02/02/2026	07:50:52	वृष व	केतु व	मक	20:04:41	सूर्य 16/01/2032
चन्द्र 04/06/2027	28:36:04	धनु	हर्ष व	मक	22:33:02	चन्द्र 17/05/2033
मंगल 10/05/2028	27:11:40	धनु	नेप व	मक	09:58:34	मंगल 23/04/2034
राहु 04/10/2030	03:41:06	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:41:01	राहु 16/09/2036

लग्न-चलित

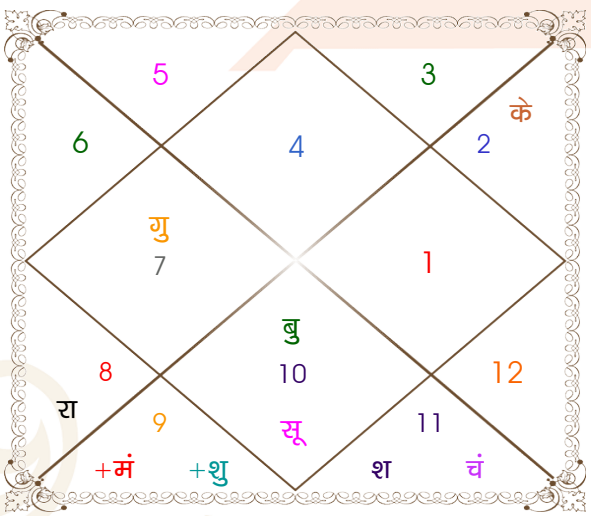

लग्न-चलित

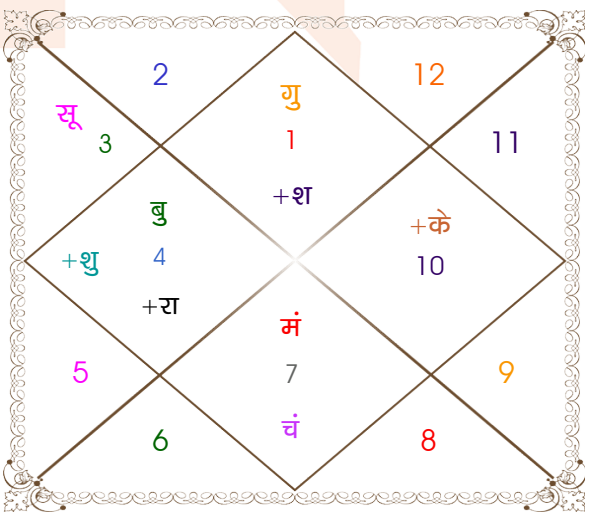

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	व्याघ्र	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Sumit का वर्ग मार्जार है तथा F का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sumit और F का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Sumit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

F मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र F कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि F कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sumit कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sumit तथा F में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।